नवभारत
रायपुर
शनिवार, 10 फरवरी 2018

विवि कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे, कामकाज ठप

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

समयमान और सातवां वेतनमान समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के नियमित कर्मचारियों ने आज एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर विरोध दर्ज कराया. राज्य शासन ने मांगें पूरी नहीं की तो आने वाले दिनों में उग्र आन्दोलन किया जाएगा. कर्मचारियों के अवकाश पर रहने से विश्वविद्यालयों में कामकाज ठप रहा.

छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारी महासंघ ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर एक दिवसीय सामूहिक अवकाश की सूचना पिछले माह ही दे दी थी. महासंघ की मांगों में प्रमुख है- सातवां वेतनमान और समयमान वेतनमान. शासन द्वारा जुलाई 2017 से शासकीय कर्मचारियों को सातवां वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है लेकिन विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों के लिए अब तक घोषणा नहीं हुई है. सातवां वेतनमान नहीं दिए जाने से कर्मचारियों में नाराजगी और निराशा है. इसी तरह समस्त विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को समयमान वेतनमान 2006 से नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है. समयमान क्रमोन्नत वेतनमान का संशोधित रूप है किन्तु सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निपटारे के समय समयमान वेतनमान विश्वविद्यालयों के लिए लागू नहीं होने का हवाला देकर अंतिम प्राप्त वेतन को कम करके पेंशन का निर्धारण किया जा रहा है. महासंघ की मांग है कि 2006 से प्रभावी समयमान वेतनमान को प्रदान करने की सहमति दी जाए. इसी तरह पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण, सहायक कुलसचिव व पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों का प्रतिशत पूर्व की तरह 50 प्रतिशत किया जाए, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की भी मांग शामिल है. एक माह की नोटिस के बाद भी मांगों पर ध्यान नहीं दिए जाने के विरोध में समस्त विश्वविद्यालयों के नियमित कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश लिया. इसके चलते विश्वविद्यालयों में कामकाज प्रभावित रहा.

विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश के चलते कार्यालय में सन्नाटा.

विश्वविद्यालयीन कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे. नवभारत फोटो

प्रांतीय बैठक में अगली रणनीति

राज्य शासन ने विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों की दो सूत्रीय मांगों को पूरा नहीं किया तो महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी की प्रांतीय बैठक बुलाकर आन्दोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी. सातवां वेतनमान की घोषणा नहीं होने से कर्मचारियों में निराशा व्याप्त है.

डॉ. हेमन्त शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारी महासंघ